M·A - JOHN - HOD - SOCIOLOGY

B.A. III Sociology Paper I

FAMILY DISORGANIZATION

आधुनिक युग में पूरा समाज परिवर्तन की प्रक्रिया से गुजर रहा है इसलिए जिन समूहों और संस्थाओं से समाज का निर्माण हुआ है उनमें भी कई स्तर पर परिवर्तन उत्पन्न हो रहा है। समाज के किसी एक क्षेत्र में होने वाला परिवर्तन समाज के सभी भागों को प्रभावित करता है। अभी Covid 19 के समाप्त होने के बाद भी जहाँ समाज की अर्थव्यवस्था में परिवर्तन आयेगा परिवार तथा दूसरी संस्थायें भी इस से प्रभावित होंगी। परिवर्तन एक प्रक्रिया है जो समाज निरन्तर चलती रहती है। परिवार समाज की मौलिक इकाई है। इसमें होने वाले परिवर्तनों की कारणों की चर्चा इस प्रकार की जा सकती है।

(1) सामाजिक मूल्यों की भिन्नता: इस कारण सदस्यों में तनाव एवं संघर्ष की स्थिति उत्पन्न हो जाती है जो पारिवारिक विघटन को जन्म देती है। माता पिता पुराने मूल्यों को महत्वपूर्ण समझते हैं, जबकि बच्चे नये मूल्यों के अनुसार कार्य करना पसन्द करते हैं। ऐसी स्थिति में माता पिता तथा बच्चों में तनाव उत्पन्न हो जाता है और पारिवारिक विघटन को जन्म देता है।

(2) सामाजिक संरचना में परिवर्तन:

Scanned by CamScanner

सामाजिक संरचना समाज में व्यक्तियों की प्रस्थिति एवं भूमिका निश्चित करती है। समाज में होने वाले परिवर्तनों की तीव्रता के कारण परिवार के सदस्यों की स्थिति तथा कार्य काफी बदल गये हैं। स्त्रियाँ यह तय नहीं कर पा रही हैं कि उनके क्या कार्य हैं। स्वतन्त्रता के इस युग में आज वह अपने परम्परागत कार्यों से संतुष्ट नहीं हैं, परन्तु पुरुष स्त्रियों की परिवर्तित प्रस्थिति और भूमिकाओं के साथ किसी प्रकार का समायोजन करने को तैयार नहीं है। वह अपने पूर्व स्थिति तथा कार्यों में परिवर्तन नहीं आने देना चाहता। परिणामस्वरूप पति पत्नी के बीच तनाव एवं संघर्ष के रूप में व्यक्त होता है।

(3) भौतिकवादी एवं व्यक्तिवादी विचारधारा! यह दोनों विचारधाराएँ मनुष्य को स्वार्थी बनाने और संकुचित रूप से सोचने में योग देती हैं। जिसके कारण आपसी प्रेम, त्याग और परोपकार की भावना का अभाव होता जा रहा है। परिणामस्वरूप पारिवारिक संगठन टूट रहा है।

(4) औद्योगीकरण — औद्योगीकरण ने परिवार की आत्मनिर्भरता और एकता को तोड़ने में योग दिया है। स्त्रियाँ घर से बाहर निकल कर काम धन्धे करने लगी हैं। उनके लिये रोजगार के अवसर प्राप्त हो रहे हैं। परिणामस्वरूप बहुत सी स्त्रियाँ अपने पारिवारिक दायित्वों को ठीक से निभा नहीं पाती

ऐसी स्थिति में उनके पति, सास ससुर या कोई अन्य सदस्य उनसे नाराज रहने लगते हैं। यह स्थिति आगे चलकर पारिवारिक तनाव और विघटन में बदल जाती है।

(5) Urbanization: नगरीकरण भी पारिवारिक विघटन का एक महत्वपूर्ण कारण है। नगरीय केन्द्रों में स्त्रियों की प्रस्थिति और भूमिकाओं में अनेक परिवर्तन आये, उनकी स्वतन्त्रता में वृद्धि हुई नगरीय गतिशीलता बढ़ी। जगह की कमी के कारण परिवार को गाँव में छोड़ कर नौकरी के लिये शहर में रहना पड़ा जिस स्थिति ने परिवार को तोड़ दिया।

(6) Poverty: परिवार की आय सीमित होने के कारण परिवार में तनाव की स्थिति उत्पन्न होने लगी। धन के अभाव में छोटे बड़े खर्चों को लेकर पारस्परिक सम्बंधों में अंतर और कटुता उत्पन्न होने लगी और परिवार टूट के कगार पर पहुँच गया।

(7) Changes in the basis of Marriage: आज विवाह के धार्मिक महत्व में कमी आयी है और इसे मात्र एक सामाजिक समझौता माना जाने लगा है। इससे परिवार की स्थिरता को धक्का लगा है। जरा थोड़ा सा भी ऊँच नीच होने पर पति पत्नी विवाह विच्छेद की बात करने लगे हैं।

(8) Love Marriages: ऐसे विवाहों का आधार मजबूत नहीं होता। E.A. Asirvatham के अनुसार "विवाह का रोमांसवादी आदर्श जो भोग विलास और विषय सुख की कामना पर अपने आपको आधारित करता है" परिवार को पारवर्तित करने के लिये उत्तरदायी है।"

(9) Dissatisfaction of sexual desire: पारिवारिक झगड़ों का यह महत्वपूर्ण कारण है। जहाँ पति पत्नी में एक दूसरे के प्रति अविश्वास और यौन सम्बन्धों की असंतुष्टि पायी जाती है और विवाह के दायरे के बाहर इसे पूरा करने की कोशिश की जाती है वहाँ झगड़े होते रहते हैं। और दोनों एक दूसरे से घृणा करने लगते हैं।

(10) Unhealthy Recreation: पहले परिवारों द्वारा अपने सदस्यों को सस्ते एवं स्वस्थ मनोरंजन प्रदान किये जाते थे लेकिन अब मनोरंजन का व्यापारीकरण हो गया है। भद्दे और अश्लील मनोरंजन प्रदान किये जा रहे हैं जिसके कारण नैतिक मूल्यों का पतन हो रहा है और परिवार भी इस से प्रभावित हो रहे हैं।

(11) Decline of religious importance: धर्म सामाजिक नियंत्रण का महत्वपूर्ण साधन था और परिवारों में भी इसके द्वारा व्यवहारों पर नियन्त्रण बनाये रखने का कार्य किया जाता था। लेकिन आज इसका महत्व कम होता जा रहा है। परिणामस्वरूप परिवार विघटन की ओर बढ़ रहा है।

(12) Adverse conditions: कभी कभी परिवारों में कुछ ऐसी स्थितियाँ उत्पन्न हो जाती है जो परिवारों के विघटन का कारण हो जाती है। अर्थ नौकरी छूट जाना, लम्बी बीमारी आर्थिक दुर्दशा इत्यादि।

(13) Different cultural background: कई बार पति पत्नी की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि एक दूसरे से भिन्न होती है और इस कारण परिवार में तनाव की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। दोनों ही प्रत्येक वस्तु को अपनी अपनी संस्कृति के दृष्टिकोण से देखते हैं।

Scanned by CamScanner

(14) Personality Defects: दोनों में से किसी एक व्यक्ति में भी दोष होने परिवार में कलह प्रारम्भ हो जाता है। चरित्रहीनता, मद्यपान, मानसिक रोग, आदि व्यक्तित्व सम्बन्धी दोष के उदाहरण हैं।

(15) Family Tensions: व्यक्तिगत स्वार्थों के बढ़ जाने, सदस्यों के उद्देश्य की एकता के समाप्त होने तथा पति पति पत्नी के सम्बन्धों में स्नेह, प्रेम, सहानुभूति आदि सुकोमल भावनाओं के समाप्त हो जाने से पारिवारिक तनाव की स्थिति उत्पन्न होती है।

—x—

Scanned by CamScanner